<u>अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु</u>

सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट टर्म – II परीक्षा, 2022
अंक-योजना
हिंदी (ब)
विषय कोड—085
प्रश्न-पत्र कोड--4/3/1

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा- प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किये गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा-प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति /दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है|

3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।

4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करे और आश्वस्त हो कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर- पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×) । मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

6. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

7. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 40 (उदाहरण 0--40 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की 30 उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 35 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन'में दिया गया है)

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं-
    1. उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
    2. उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
    3. उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
    4. उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
    5. आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
    6. योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
    7. उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
    8. कुल अंकों के योग में अशुद्धि।
    9. उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना।

MARKING SCHEME

Secondary School Examination TERM–II, 2022

HINDI B (Subject Code–085)

[Paper Code : 4/3/1]

Maximum Marks : 40

सामान्य निर्देश :

1. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
2. इस प्रश्नपत्र में वर्णनात्मक प्रश्न हैं। अतः अंक योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
3. यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दे, तो उसे पूर्ण अंक दिए जाएँ।
4. मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना के निर्देशानुसार ही किया जाए।

Q. No.	EXPECTED ANSWER / VALUE POINTS	Marks
	खंड—क **(वर्णनात्मक प्रश्नों के संभावित उत्तर संकेत)**	
1.	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में अपेक्षित - (क) • पशु प्रवृत्ति—केवल अपने विषय में सोचना, स्वयं के लिए जीना, निजी स्वार्थ की पूर्ति • सच्चा मनुष्य परोपकार के लिए जीता है (ख) • पर्वत का गौरव गान • नस-नस में रोमांच/उत्तेजना भरना (ग) • देशभक्ति और वीरता • विषम परिस्थितियों में देश की रक्षा करना • प्राण तक न्योछावर करने को तत्पर रहना • आत्म-बलिदान कर देश की आन-बान की रक्षा करना (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	2×2=4 1+1 2 2 4
2.	किसी एक प्रश्न का उत्तर 60-70 शब्दों में अपेक्षित - (क) कारण- • व्यस्त जीवन-शैली • एक-दूसरे से आगे बढ़ने की प्रतिस्पर्धा • कम समय में अधिक कार्य का दबाव • भौतिक सुख-सुविधा के साधनों पर बढ़ती निर्भरता	4×1=4

	बचाव- • योजनाबद्ध एवं व्यवस्थित दिनचर्या • योग,ध्यान और व्यायाम • भूत और भविष्य की चिंता न कर वर्तमान में जीना (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य) (ख) • अवध से अंग्रेजों को बाहर निकालने के लिए वज़ीर अली द्वारा किया गया संघर्ष • वीर-सपूतों की शहादत और बहादुरी के कारण देश की स्वतंत्रता का बरकरार रहना • वज़ीर अली जैसे अन्य स्वतंत्रता सेनानियों का उल्लेख (भारत की स्वतंत्रता के संदर्भ में अन्य तर्क भी स्वीकार्य)	2+2 4
		4
3.	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित - (क) • भाइयों और महंत द्वारा हरिहर काका की संपत्ति हथियाने के लिए उनके साथ दुर्व्यवहार • पारिवारिक संबंधों में बढ़ती स्वार्थपरता • आपसी रिश्तों को भूलकर छल, बल और कल का प्रयोग करने से भी न चूकना • अवसरवादी होना (ख) • विद्यार्थियों के मन में प्रेम और विश्वास पैदा करना • आत्मीय व्यवहार • शारीरिक दंड न देना • विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना (इसी प्रकार के अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य) (ग) • रिश्तों की बुनियाद आयु, जाति, धर्म, भाषा, संपन्नता आदि से ऊपर • टोपी और इफ़्फ़न की मित्रता • टोपी और इफ़्फ़न की दादी की आत्मीयता • टोपी के प्रति सीता की सहानुभूति (इसी प्रकार के अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	3×2=6 3 3 3
		6

	खंड—ख	
4.	दिए गए **तीन** अनुच्छेदों में से किसी **एक** विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग *150* शब्दों में अनुच्छेद लेखन भूमिका 1 अंक विषयवस्तु 4 अंक भाषा 1 अंक	6
5.	पत्र लेखन (*120* शब्द) आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ 1 अंक विषयवस्तु 3 अंक भाषा 1 अंक	5
6.	सूचना लेखन (*50* शब्द) (क) और (ख) प्रश्नों में दिए गए दो-दो विषयों में से एक-एक सूचना लगभग *50* शब्दों में (2½ अंक की सूचना की जाँच के लिए अंक विभाजन) प्रारूप ½ अंक विषयवस्तु 1½ अंक भाषा ½ अंक	2½×2=5 5
7.	विज्ञापन लेखन (क) और (ख) प्रश्नों में दिए गए दो-दो विषयों में से एक-एक विज्ञापन लगभग *50* शब्दों में (2½ अंक के विज्ञापन की जाँच के लिए अंक विभाजन) विषयवस्तु 1 अंक प्रस्तुति 1 अंक भाषा ½ अंक	2½×2=5 5
8.	लघुकथा शब्द-सीमा लगभग *120* शब्द विषयवस्तु 2 अंक प्रस्तुति 2 अंक भाषा 1 अंक	5

* * *